महाभारत कालीन मिट्टी के बर्तन मिले

- द्रुपद टीले के उत्खनन में मिली वस्तुओं का होगा परीक्षण

कांपिल, अब: लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध टीम को ऐतिहासिक द्रुपद टीले के नीचे महाभारत कालीन मिट्टी के बर्तन मिले हैं। टीम के सदस्यों के मुताबिक टीले के ट्रेंच संख्या एन 3 व एबीके 2 की खुदाई में मिली वस्तुओं की जांच थर्मोल्युमिनस (एक वैज्ञानिक विधि) से होने के बाद ही इसकी प्रमाणिकता घोषणा की जा सकेगी, लेकिन उत्खनन में जो सामग्री मिली है, वह चित्रित धूसर मृदभाण्ड संस्कृति से मेल खाती है, जो महाभारत कालीन है।

द्रुपद टीले पर 6 ट्रेंच लगाए जा चुके हैं। शोध टीम के सदस्यों ने बताया कि पॉटरी काल विन्यास के लिए वैज्ञानिक विधि में उसे 1800 डिग्री सेल्सियस तापमान में रखा जाता है। अधिक पुरानी पॉटरी में इलेक्ट्रानों की संख्या ज्यादा संचित हो जाती है। इस विधि से न्यूट्रान से इलेक्ट्रानों को अलग कर उनकी संख्या गिनने के बाद काल का निर्धारण किया जाता है। द्रुपद टीले से मिली हड्डी व कंकाल की आयु फ्लोरीन विधि से निकाली जाएगी। टीम ने खुदाई में मिलने वाली वस्तुओं का नमूना लेकर क्रमांक के अनुसार निर्माणाधीन गेस्टहाउस में रखवा दिया। शोध टीम ने बताया कि खुदाई में जब तक प्राकृतिक जमाव की मिट्टी नहीं मिलती, तब तक उत्खनन चलता रहता है। द्रुपद टीले पर 7.5 मीटर नीचे प्राकृतिक जमाव की मिट्टी मिली है।

अब तक मिलने वाली वस्तुएं

1- नक्काशीदार पत्थर। 2- हस्तचलित आटा चक्की के दो जोड़ी पाट। 3- कंकाल व हड्डियां। 4- सार्वजनिक भोजनालय के अवशेष भट्ठी आदि। 5- कमरेनुमा लखौरी ब्रिक्स (ककइया ईंट) का स्ट्रक्चर (ढांचा)। 6- शिव (अर्घा) की आकृति में राख की ढेरी। 7- गोटी, चौसर, पासा, मनका। 8- गोलक 9- धातु की कील जिसे टीम ने लोहे का बताया लेकिन चर्चा सोने की रही 10- चिलम (स्मोक पाइप) 11- पॉटरी रंगीन (बर्न मिट्टी)।

निर्माणाधीन गेस्ट हाउस में रखी उत्खनन में मिली पॉटरी। जागरण